# अनुक्रम


| अध्याय | पृष्ठ संख्या |
|---|---|
| ➢ **भूमिका** | **3-5** |
| **अध्याय -1 वैष्णव भक्ति और नाट्य परंपरा** | **6-31** |
| 1.1 भक्ति आंदोलन | 7-15 |
| 1.2 वैष्णव भक्ति | 15-20 |
| 1.3 वैष्णव नाट्य परंपरा | 20-31 |
| **अध्याय -2 लोकनाट्य बिदापत- उद्भव, विकास एवं नामकरण** | **32-44** |
| 2.1 बिदापत के उद्भव क्षेत्र की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि | 33 |
| 2.2 मिथिला में लोकनाट्य की परंपरा | 33-35 |
| 2.3 बिदापत का उपजीव्य : गीतगोविंद तथा विद्यापति | 35-37 |
| 2.4 बिदापत का नामकरण | 37-39 |
| 2.5 बिदापत - उद्भव और विकास | 39-44 |
| **अध्याय-3 बिदापत का कृतित्व पक्ष** | **45-101** |
| 3.1 कृतिव पक्ष कि अवधारणा | 46-47 |
| 3.2 लोकनाट्यों का कथानक | 47-49 |
| 3.3 बिदापत के कथानकों का तात्विक विश्लेषण | 49-51 |
| 3.4 बिदापत के कथानक और उनका मूल स्रोत | 51 |

3.5 बिदापत के कथानक का मूल अंश 52-76

3.6 बिदापत के कथानक का अनुवाद 77-101

**अध्याय -4 बिदापत रंगशिल्प एवं रंगशाला 102-114**

4.1 रंगशिल्प कि अवधारणा 103-108

4.2 रंगमंडली तथा निर्देशक 108

4.3 प्रदर्शन शैली और मंच व्यवस्था 109-110

4.4 अभिनय 110

4.5 वेषभूषा और रूपसज्जा 111

4.6 गीत, नृत्य और वाद्य 111-112

4.7 बिदापत का दर्शक 112-114

**अध्याय -5 बिदापत नाच का वैष्णव भक्तिकालीन अन्य नाट्य परम्पराओं के साथ अंत:संबंध का शोधपरक मूल्यांकन (उपसंहार) 115-120**

- **परिशिष्ठ 121-138**
- **संदर्भ ग्रंथ सूची 139 -143**